



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II-खण्ड 3-उप-खण्ड (i)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 566]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 27, 2007/पौष 6, 1929

No. 566]

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 27, 2007/PAUSA 6, 1929

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 2007

सं. 42/2007-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.)

सा.का.नि. 790(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 9क की उप-धारा (2) के साथ पठित धारा 37 की उप-धारा (2) के खण्ड (झ घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपराध शमन) नियमावली, 2005 को संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

- (1) इन नियमों को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपराध शमन) (संशोधन) नियमावली, 2007 कहा जा सकता है।
- (2) ये सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपराध शमन) नियमावली, 2005 (एतदुपश्चात् उक्त नियमावली के रूप में उल्लिखित) में :-

(क) नियम 4 में उप-नियम (3) में प्रथम परन्तुक के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

“साथ ही यह भी प्रावधान किया गया कि आवेदन को तब तक अनुमति नहीं मिलेगी जब तक कि जिस मामले के लिए आवेदन किया गया है उस मामले में देय शुल्क, अर्थदंड और ब्याज का भुगतान न कर दिया जाए।”

(ख) नियम 5 के लिए निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“5. प्रशमन राशि का निर्धारण.—इस अधिनियम के विभिन्न उपबंधों के तहत अपराधों के प्रशमन के प्रयोजनार्थ राशि यहां नीचे दिए गए अनुसार होगी :-

सारणी

क्र. सं.	अपराध	प्रशमन राशि
(1)	(2)	(3)
1.	अधिनियम की धारा 9(1)(क) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट अपराध	प्रथम अपराध के लिए पचास हजार रु. जिसमें बाद के प्रत्येक अपराध के लिए शत प्रतिशत की वृद्धि होगी।
2.	अधिनियम की धारा 9(1)(ख) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट अपराध	शुल्क अपवंचन की राशि के पचास प्रतिशत तक और न्यूनतम शुल्क अपवंचन का दस प्रतिशत।
3.	अधिनियम की धारा 9(1)(ख ख) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट अपराध	शुल्क अपवंचन की राशि के पचास प्रतिशत तक और न्यूनतम शुल्क अपवंचन का दस प्रतिशत।
4.	अधिनियम की धारा 9(1)(ख ख ख) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट अपराध	शुल्क अपवंचन की राशि के पचीस प्रतिशत तक और न्यूनतम शुल्क अपवंचन का दस प्रतिशत।
5.	अधिनियम की धारा 9(1)(ख ख ख ख) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट अपराध	गलत रूप से लिए गए अथवा उपयोग किए गए सेनवैट क्रेडिट की राशि के पचास प्रतिशत तक और न्यूनतम उक्त राशि का दस प्रतिशत।
6.	अधिनियम की धारा 9(1)(ग) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट अपराध	प्रथम अपराध के लिए पचास हजार रुपए जिसमें बाद के प्रत्येक अपराध के लिए शत प्रतिशत की वृद्धि हो जाएगी।

(1)	(2)	(3)
7.	अधिनियम की धारा 9(1)(घ)	शुल्क अपवंचन की राशि के के अंतर्गत विनिर्दिष्ट अपराध पचीस प्रतिशत तक और न्यूनतम शुल्क अपवंचन के दस प्रतिशत तक ।

यह प्रावधान किया गया कि यदि व्यक्ति द्वारा एक ही माल के लिए किए गए अपराध ऊपर विनिर्दिष्ट एक से अधिक संवर्ग के अंतर्गत आते हैं और जहां शुल्क अपवंचन की राशि अथवा गलत रूप से लिए गए अथवा उपयोग किए गए सेनवैट क्रेडिट की राशि सभी अपराधों के लिए एक ही है तो ऐसे मामलों में शमन राशि वह राशि होगी जो किसी अपराध के लिए अधिक शमन राशि निर्धारित की गई है ।”

(ग) नियमावली के साथ संलग्न प्रपत्र में क्रम सं. 12 के बाद निम्नलिखित क्रम संख्या जोड़ी जाएगी, अर्थात् :—

“12क. क्या शुल्क, अर्धदंड और ब्याज की राशि का भुगतान किया गया है और यदि हां तो उनके ब्यौरे”

[फा. सं. 267/22/2005-सी एक्स-8]

राहुल नांगरे, अवर सचिव

**टिप्पण :-**मूल नियमावली अधिसूचना सं. 37/2005-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै), दिनांक 30 सितम्बर, 2005, सा.का.नि. 756(अ) के जरिए भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i), में प्रकाशित हुई थी ।

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 27th December, 2007

No. 42/2007-CENTRAL EXCISE (N.T.)

**G.S.R. 790(E).**—In exercise of the powers conferred by clause (id) of sub-section (2) of Section 37 read with sub-section (2) of Section 9A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules to amend Central Excise (Compounding of Offences) Rules, 2005, namely :

- (1) These rules may be called the Central Excise (Compounding of Offences) Amendment Rules, 2007.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Central Excise (Compounding of Offences) Rules, 2005 (hereinafter referred to as the said rules),—

(a) In rule 4, in sub-rule (3), after the proviso, the following shall be inserted, namely :—

“Provided further that application shall not be allowed unless the duty, penalty and interest liable to be paid have been paid for the case for which application has been made.”;

(b) for rule 5, the following rule shall be substituted, namely :—

“5. Fixation of the compounding amount.—For the purpose of compounding of offences under the provisions of the Act, the compounding amount shall be as provided in the following Table, namely namely :—

TABLE

Sl. No.	Offence	Compounding amount
1.	Offence specified under Section 9(1)(a) of the Act	Rupees fifty thousand for the first offence and to be increased by hundred per cent of this amount for each subsequent offence.
2.	Offence specified under Section 9(1)(b) of the Act	Upto fifty per cent of the amount of duty evasion, subject to minimum of ten per cent of duty evasion.
3.	Offence specified under Section 9(1)(bb) of the Act	Upto fifty per cent of the amount of duty evasion, subject to minimum of ten percent of duty evasion.
4.	Offence specified under Section 9(1)(bbb) of the Act	Upto twenty five per cent of the amount of duty evasion, subject to minimum of ten per cent of duty evasion.
5.	Offence specified under Section 9(1)(bbbb) of the Act	Upto fifty per cent of the amount of CENVAT Credit wrongly taken or utilized, subject to minimum of ten per cent of said amount.
6.	Offence specified under Section 9(1)(c) of the Act	Rupees fifty thousand for the first offence and to be increased by hundred per cent of this amount for each subsequent offence.
7.	Offence specified under Section 9(1)(d) of the Act	Upto twenty five per cent of the amount of duty evasion, subject to minimum of ten per cent of duty evasion.

Provided that if a person has, in respect of same goods, committed offences falling under more than one category specified above and where amount of duty evasion or amount of CENVAT Credit wrongly taken or utilized is same for all such offences, the compounding amount, in such cases, shall be the amount determined for the offence for which a higher compounding amount has been prescribed.”

(c) In the Form appended to the said rules, after serial number 12, the following serial number shall be inserted, namely :—

“12A. Whether the amount of duty, penalty and interest have been paid and if yes, the details thereof.”

[F. No. 267/22/2005-CX. 8]

RAHUL NANGARE, Under Secy.

**Foot Note :** The principal notification No. 37/2005-Central Excise (N.T.), dated the 30th December, 2005, was published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R. 756(E), dated the 30th December, 2005.